मध्यप्रदेश विधान सभा

की

कार्यवाही

(अधिकृत विवरण)

चतुर्दश विधान सभा चतुर्दश सत्र

जुलाई, 2017 सत्र

बुधवार, दिनांक 26 जुलाई, 2017

(4 श्रावण, शक संवत् 1939)

[खण्ड- 14] [अंक-8]

मध्यप्रदेश विधान सभा

बुधवार, दिनांक 26 जुलाई, 2017

(4 श्रावण, शक संवत् 1939)

विधान सभा पूर्वाह्न 11.03 बजे समवेत हुई.

{अध्यक्ष महोदय (डॉ.सीतासरन शर्मा) पीठासीन हुए.}

विशेष उल्लेख

कारगिल विजय दिवस पर शहीदों को श्रद्धांजलि

श्री यशपाल सिंह सिसोदिया(मंदसौर) -- माननीय अध्यक्ष महोदय, आज कारगिल विजय दिवस के अवसर पर सदन की ओर से शहीदों को श्रद्धांजलि. इस देश के सैनिकों के कारण इस देश का स्वाभिमान बढ़ता है उन सैनिकों की शहादत को श्रद्धांजलि अर्पित है.

अध्यक्ष महोदय-- आज कारगिल विजय दिवस है. शहीदों को सदन की ओर से श्रद्धांजलि अर्पित है.

11.03 बजे

शून्यकाल में उल्लेख

सरदार सरोवर बांध के डूब क्षेत्र में आने वाले विस्थापितों पर दिये गये स्थगन पर चर्चा कराई जाना

श्री बाला बच्चन(राजपुर)-- माननीय अध्यक्ष महोदय, 18 जुलाई से हमने डूब प्रभावितों संबंधी चर्चा माँगी थी. आपने अभी तक उस पर चर्चा नहीं कराई है. हमने इस पर स्थगन दिया है. हमने नियम 139 के अंतर्गत जो सरदार सरोवर परियोजना के डूब प्रभावित लोग हैं उनके लिए चर्चा माँगी थी.

अध्यक्ष महोदय--- प्रश्नकाल हो जाने दीजिये..(व्यवधान)...

श्री बाला बच्चन-- अध्यक्ष महोदय, लाखों लोग इसमें प्रभावित हुए हैं. इसके बाद भी उसको चर्चा में नहीं लिया गया है..(व्यवधान)..हमारा आग्रह है कि आज की कार्यसूची में वह आ सकता था. लाखों लोग, लाखों मवेशी प्रभावित हो रहे हैं. उनकी रोजी-रोटी, मकान सब तबाह हो गया है और फोर्स लगा कर लोगों को चमकाया जा रहा है..(व्यवधान).. लोग चिंतित हैं. भय में जी रहे हैं ,डर में जी रहे हैं और पूरा फोर्स वहाँ पहुँच चुका है. 31 जुलाई आखिरी को आखिरी तारीख है..(व्यवधान)..

11.04 बजे **गर्भगृह में प्रवेश**

इंडियन नेशनल काँग्रेस के सदस्यगण द्वारा गर्भगृह में प्रवेश

(सरदार सरोवर बांध के डूब क्षेत्र में आने वाले विस्थापितों पर दिये गये स्थगन पर चर्चा कराने की मांग को लेकर इंडियन नेशनल कांग्रेस के अनेक सदस्यगण गर्भगृह आए)

अध्यक्ष महोदय-- (गर्भगृह में उपस्थित सदस्यों से)अपने स्थान से बोलें तो ठीक रहेगा..

कुंवर विक्रम सिंह --अध्यक्ष महोदय, इस पर चर्चा दीजिये.

श्री बाला बच्चन-- अध्यक्ष महोदय, आप हमें आश्वस्त करें. हमने 18 जुलाई से आपको इस पर स्थगन दिया है , उसके बाद हमने 139 के अंतर्गत भी चर्चा माँगी है. आप क्यों नहीं ले रहे हैं, आपकी क्या मजबूरी है. आपको इस पर चर्चा कराना चाहिए...(व्यवधान)..इसमें हजारों परिवार डूब में जा रहे हैं.

कुंवर विक्रम सिंह -- माननीय अध्यक्ष महोदय, मेरा निवेदन है कि इसमें चर्चा कराई जाये..(व्यवधान)..

अध्यक्ष महोदय-- उप नेता जी बोल रहे हैं आप सभी अपने स्थान पर जाइए.माननीय सदस्यों से अनुरोध है कि कृपया प्रश्नकाल हो जाने दीजिये..(व्यवधान)...

(इंडियन नेशनल कांग्रेस के अनेक माननीय सदस्यगण लगातार गर्भगृह से अपनी बात कहते रहे)

श्री कुँवर विक्रम सिंह (राजनगर) -- माननीय अध्यक्ष महोदय, मेरा निवेदन है कि इसपर चर्चा करायी जाए. स्थगन न लिया जाए तो कम से कम 139 लोक महत्व के विषयों पर चर्चा ली जाए....(व्यवधान).....

श्री बाला बच्चन -- मध्यप्रदेश के 200 गांव तबाह हो रहे हैं, बर्बाद हो रहे है. उनकी रोजी-रोटी के, उनकी खेती-बाड़ी सब के लाले पड़ रहे हैं और वहां सारी फोर्स लग चुकी है. सरकार इतने बड़े महत्वपूर्ण विषय को गंभीरता से नहीं ले रही है.....(व्यवधान).....

अध्यक्ष महोदय -- मेरा माननीय सदस्यों से अनुरोध है कि कृपया प्रश्नकाल हो जाने दीजिए. उसके बाद जो बात कहना चाहते हैं, कहें.

श्री कुँवर विक्रम सिंह -- माननीय अध्यक्ष महोदय, आपसे करबद्ध प्रार्थना है कि आप इस पर चर्चा कराएं.....(व्यवधान).....

अध्यक्ष महोदय -- मेरा आपसे अनुरोध है कि प्रश्नकाल हो जाने दीजिए, उसके बाद आपको जो कहना है वह कह सकते हैं, मैं अनुमति दूंगा.

श्री बाला बच्चन -- माननीय अध्यक्ष महोदय, 18 जुलाई से हमने स्थगन दिया.....(व्यवधान).....

अध्यक्ष महोदय -- कृपया एक घंटा प्रश्नकाल हो जाने दीजिए....(व्यवधान).....

श्री कुँवर विक्रम सिंह -- माननीय अध्यक्ष महोदय, आप आश्वस्त कर दें कि आप चर्चा कराएंगे.....(व्यवधान).....

श्री बाला बच्चन -- माननीय अध्यक्ष महोदय, वहां पर मध्यप्रदेश का बहुत बड़ा हिस्सा डूब क्षेत्र में आ रहा है, 200 गांव प्रभावित हो रहे हैं. 23000 परिवार हैं जिनकी रोजी-रोटी, मकान सब बर्बाद हो गए हैं.....(व्यवधान)....

अध्यक्ष महोदय -- आप प्रश्नकाल हो जाने दीजिए. आप लोग कृपया अपने स्थान से बोलिए. मैं आपकी बात सुनूंगा.....(व्यवधान).....

पंडित रमेश दुबे -- माननीय अध्यक्ष महोदय, माननीय सदस्यों के प्रश्न महत्वपूर्ण हैं.

श्री कुँवर विक्रम सिंह -- माननीय अध्यक्ष महोदय, मेरा आपसे निवेदन है कि इस पर आप चर्चा करवाएं.....(व्यवधान).....

पंडित रमेश दुबे -- माननीय अध्यक्ष महोदय, प्रश्नकाल के पश्चात जिनको जो विषय रखना है वे रखें.....(व्यवधान).....

अध्यक्ष महोदय -- कृपया आप प्रश्नकाल हो जाने दीजिए. आपको अवसर दिया जाएगा.

श्री बाला बच्चन -- माननीय अध्यक्ष महोदय, प्रश्नकाल से भी महत्वपूर्ण यह चर्चा है....(व्यवधान).....आप इस पर चर्चा क्यों नहीं करा रहे हैं ?.....(व्यवधान).....

श्री कुँवर विक्रम सिंह -- माननीय अध्यक्ष महोदय, यह 23 हजार परिवारों का मामला है, इस पर चर्चा करायी जाए.....(व्यवधान)....

अध्यक्ष महोदय -- उपनेता जी, मेरा आपसे अनुरोध है कि कृपा करके प्रश्नकाल होने दीजिए.....(व्यवधान)....

श्री कुँवर विक्रम सिंह -- माननीय अध्यक्ष महोदय, आप आश्वस्त कर दीजिए कि आप चर्चा लेंगे.....(व्यवधान).....

अध्यक्ष महोदय -- आपसे अनुरोध है कि आप प्रश्नकाल होने दीजिए. इसके बाद आप अपने स्थान से बोलिए, मैं आपकी बातों को सुनूंगा.....(व्यवधान).....

श्री बाला बच्चन -- माननीय अध्यक्ष महोदय, यह तो आप रोज बोलते आ रहे हैं....(व्यवधान).....

श्री कुँवर विक्रम सिंह -- माननीय अध्यक्ष महोदय, इस पर चर्चा बहुत जरूरी है.....(व्यवधान)....

अध्यक्ष महोदय -- प्रश्नकाल भी महत्वपूर्ण होता है. एक घंटे का समय है. कृपया आप बैठ जाइए. उसके बाद मैं आपकी बात सुनूंगा....(व्यवधान)....

श्री कुँवर विक्रम सिंह -- माननीय अध्यक्ष महोदय, यह प्रश्नकाल से भी महत्वपूर्ण बिन्दु है इसलिए पहले इस पर चर्चा होनी चाहिए.

पंडित रमेश दुबे -- माननीय अध्यक्ष महोदय, प्रश्न भी बहुत महत्वपूर्ण हैं. प्रश्नकाल होने के पश्चात इस पर चर्चा की जा सकती है....(व्यवधान).....

अध्यक्ष महोदय -- मेरा माननीय सदस्यों से अनुरोध है कि प्रश्नकाल तो हो जाने दीजिए....(व्यवधान).....

राजस्व मंत्री (श्री उमाशंकर गुप्ता) -- माननीय अध्यक्ष महोदय, मेरा प्रतिपक्ष के साथियों से निवेदन है कि प्रश्नकाल में 25 माननीय विधायकों के प्रश्न आते हैं उससे लोक समस्याओं का निराकरण होता है. कृपया प्रश्नकाल चलने दीजिए. 25 माननीय सदस्यों के प्रश्न हैं जिनमें आपके भी प्रश्न शामिल हैं.....(व्यवधान)....

अध्यक्ष महोदय -- माननीय सदस्यों से अनुरोध है कि कृपया अपने स्थान पर बैठ जाइए. माननीय मंत्री जी को अपनी बात कहने दीजिए.

(इंडियन नेशनल कांग्रेस के माननीय सदस्यगण गर्भगृह में नारे लगाते रहे)

श्री उमाशंकर गुप्ता -- यह प्रश्नकाल चलने दीजिए....(व्यवधान)....25 माननीय विधायकों के प्रश्नों के उत्तर आ रहे हैं. ....(व्यवधान)....

श्री कुँवर विक्रम सिंह -- माननीय अध्यक्ष महोदय, मेरा निवेदन है कि चर्चा ली जाए, चर्चा करायी जाए.....(व्यवधान)....

अध्यक्ष महोदय -- कृपया आप अपने स्थान पर बैठ जाइए. जो बात करनी है अपने स्थान पर जाकर बात करिए, निशंक जी बैठ जाइए....(व्यवधान)....

श्री उमाशंकर गुप्ता -- बजट पर आपने एक शब्द नहीं बोला....(व्यवधान)...

अध्यक्ष महोदय -- माननीय उपनेता जी, आप प्रश्नकाल हो जाने दीजिए, उसके बाद मैं आपकी बात सुनूंगा, एक घंटे बाद आपकी बात सुनूंगा...(व्यवधान)...माननीय मंत्री जी कुछ कह रहे हैं. माननीय मंत्री जी की बात सुन लीजिए.

श्री उमाशंकर गुप्ता -- माननीय अध्यक्ष महोदय, मेरा यह आग्रह है कि 25 माननीय सदस्यों के प्रश्न रहते हैं आपके भी अनेक माननीय विधायकों के प्रश्न रहते हैं अनेक जन समस्याओं का निराकरण होता है. प्रश्नकाल चलने दीजिए, उसके बाद बात करें..(व्यवधान)...

नेता प्रतिपक्ष (श्री अजय सिंह) -- माननीय अध्यक्ष महोदय, माननीय मंत्री महोदय ने कहा कि प्रश्नकाल चलने दीजिए, 25 विधायकों के प्रश्नों की चर्चा है. आप सिर्फ 25 विधायकों के प्रश्नों के चर्चा की बात कर रहे हैं यहां 25 हजार लोगों के परिवार की बात है.....(व्यवधान).....

श्री उमाशंकर गुप्ता -- माननीय अध्यक्ष महोदय, क्या यह चर्चा प्रश्नकाल के बाद नहीं हो सकती है ? प्रश्नकाल का समय निश्चित है....(व्यवधान).....

श्री अजय सिंह -- अध्यक्ष महोदय, हम लोग तीन दिन से चर्चा कर रहे हैं....(व्यवधान)....

श्री उमाशंकर गुप्ता -- प्रश्नकाल 12 बजे के बाद नहीं चल सकता....(व्यवधान)...और कल माननीय बाला बच्चन जी ने बजट भाषण पर एक शब्द नहीं बोला, जब उनको मौका मिला था.....(व्यवधान).....11.00 बजे से 12.00 बजे तक केवल प्रश्नकाल है. प्रश्नकाल चलने दीजिए. यह आप 12.00 बजे कर सकते हैं.....(व्यवधान).....

श्री बाला बच्चन -- माननीय अध्यक्ष महोदय, सरकार ध्यान नहीं दे रही है....(व्यवधान)....

श्री उमाशंकर गुप्ता -- प्रश्नकाल 12.00 बजे के बाद नहीं हो पाएगा, आप यह बात 12.00 बजे के बाद कर सकते हैं. इसलिए मेरा आग्रह है कि प्रश्नकाल चलने दीजिए.....(व्यवधान)....

श्री यशपाल सिंह सिसोदिया -- प्रश्नकाल को बाधित न करें. ...(व्यवधान)... शून्यकाल में मुद्दा उठाइएगा...(व्यवधान)...

श्री बाला बच्चन -- आप चर्चा करवाइये. ...(व्यवधान)...

अध्यक्ष महोदय -- प्रतिपक्ष के नेताजी बोल रहे हैं, कृपया शांति रखें. ...(व्यवधान)...

श्री अजय सिंह -- माननीय अध्यक्ष महोदय, हमारी सिर्फ एक प्रार्थना है कि किसी तरह से चर्चा करवाइये. ...(व्यवधान)...

श्री बहादुर सिंह चौहान -- आसंदी का आश्वासन है कि प्रश्नकाल के बाद आप शून्यकाल में यह मुद्दा उठाइये, हमारा प्रश्न है...(व्यवधान)..आप ही ने कहा है कि प्रश्न काल बहुत महत्वपूर्ण होता है.

श्री अजय सिंह -- बहादुर सिंह जी, मैं स्वीकार करता हूँ, लेकिन 4 दिन से हम लोग इस स्थगन पर किसी भी रूप में चर्चा कराना चाहते हैं, ...(व्यवधान)... 23000 परिवारों की समस्या है, ...(व्यवधान)... कल शून्यकाल में भी यह मुद्दा उठाया था, वहां पर 3 लाख लोगों की समस्या है. ...(व्यवधान)...क्या मध्यप्रदेश के रहवासियों की चिंता नहीं है.. ...(व्यवधान)... कि सिर्फ 25 प्रश्नों की चिंता है, 4 जिले प्रभावित हो रहे हैं. ...(व्यवधान)...

पंडित रमेश दुबे -- सरकार को सभी की चिंता है. ...(व्यवधान)...

श्री अजय सिंह -- माननीय अध्यक्ष महोदय, हमारी आपसे गुजारिश है कि सिर्फ चर्चा करा लीजिए. ...(व्यवधान)...

श्री लालसिंह आर्य -- माननीय अध्यक्ष महोदय, नेता प्रतिपक्ष जी जो कह रहे हैं, माननीय मुख्यमंत्री जी और हम मंत्रिमंडल के पूरे लोग उन परिवार के लोगों की चिंता कर रहे हैं. ...(व्यवधान)... ये केवल वाहवाही लूटने का काम कर रहे हैं. ...(व्यवधान)... हम माननीय सुप्रीम कोर्ट के निर्णय का पालन कर रहे हैं...(व्यवधान)...ये केवल राजनीतिक लाभ उठाना चाहते हैं...(व्यवधान)...

श्री अजय सिंह -- माननीय अध्यक्ष महोदय, ये मुख्यमंत्री और अपनी बात कर रहे हैं कि चिंता कर रहे हैं ...(व्यवधान)...

श्री लालसिंह आर्य -- केवल राजनीतिक लाभ उठाने के लिए ...(व्यवधान)...

श्री अजय सिंह -- यह राजनीतिक लाभ नहीं है ...(व्यवधान)...

श्री लालसिंह आर्य -- बताइये कि पठारी इलाके में आपने पानी भेजा था क्या...(व्यवधान)...हम लोग चिंता कर रहे हैं. ...(व्यवधान)...

अध्यक्ष महोदय -- प्रतिपक्ष के नेताजी बोल रहे हैं, कृपया ...(व्यवधान)...

श्री अजय सिंह -- माननीय अध्यक्ष महोदय, गुजरात में चुनाव होने जा रहे हैं, गुजरात की चिंता है, मध्यप्रदेश के रहवासियों की चिंता नहीं है, आरोप यह है. ...(व्यवधान)...

श्री लालसिंह आर्य -- माननीय अध्यक्ष महोदय, 58 प्रतिशत बिजली हमको मिल रही है.. ...(व्यवधान)... ...(व्यवधान)...

अध्यक्ष महोदय -- सदन की कार्यवाही 10 मिनट के लिए स्थगित.

(पूर्वाह्न 11.12 बजे सदन की कार्यवाही 10 मिनट के लिए स्थगित की गई.)

11.28 बजे.

विधान सभा पुन: समवेत हुई.

{ अध्यक्ष महोदय (डॉ. सीतासरन शर्मा) पीठासीन हुए }

श्री बाला बच्चन -- अध्यक्ष महोदय, पहले आप हमें आश्वस्त करें बड़ा मामला है,

अध्यक्ष महोदय -- प्रश्न क्रमांक 1

श्री बाला बच्चन -- पूरे डूब प्रभावित लोग संकट में हैं,..(व्यवधान).

अध्यक्ष महोदय -- पहले प्रश्न काल हो जाने दें आधा घंटा बचा है...(व्यवधान)..

श्री बाला बच्चन -- माननीय अध्यक्ष महोदय, पहले आप हमें आश्वस्त करें कि आप चर्चा करायेंगे.(व्यवधान)..

अध्यक्ष महोदय -- नहीं, नहीं. प्रश्नकाल के बाद में आप बोलिये जो बोलना है आपको..

श्री बाला बच्चन -- नहीं, प्रश्नकाल के बाद में नहीं,..(व्यवधान).. 18 तारीख से हमने स्थगन की चर्चा के लिए दिया हुआ है..(व्यवधान)..

गर्भगृह में प्रवेश

सरदार सरोवर बांध के डूब क्षेत्र में आने वाले विस्थापितों पर दिये गये

स्थगन पर चर्चा की मांग

(इण्डियन नेश्नल कांग्रेस के अनेक माननीय सदस्यगण स्थगन प्रस्ताव पर चर्चा की मांग करते हुए गर्भगृह में आए)

अध्यक्ष महोदय -- प्रश्न क्रमांक 1 श्री दिव्यराज सिंह ... आप पूछिये आपका उत्तर मिलेगा..(व्यवधान)..

डॉ गोविन्द सिंह -- अध्यक्ष महोदय, मैंने पिछले 3 सत्रों से लगातार मध्यप्रदेश में जो रेत का भारी घोटाला भारतीय जनता पार्टी के नेताओं और मंत्रियों द्वारा किया जा रहा है, अधिकारियों के द्वारा किया जा रहा है उसके बारे में लगातार नियम 139 की चर्चा पिछले 6 माह से लगा रहा हूं..(व्यवधान)...

श्री बाला बच्चन -- हमने इ स पर स्थगन दिया है नियम 139 की चर्चा के लिए दिया है..(व्यवधान).. उस पर चर्चा करायी जाय. वहां के डूब प्रभावित लोग संकट में हैं..(व्यवधान).. उनके रहने का स्थान...(व्यवधान).. उनका पालन पोषण सब संकट में आ गया है..(व्यवधान).. वहां पर लाखों लोग हैं लाखों मवेशी हैं...(व्यवधान)..

श्री उमाशंकर गुप्ता -- आज गोविन्द सिंह जी का प्रश्न नहीं है इसलिए वे प्रश्नकाल को बाधित कर रहे हैं....(व्यवधान)..

अध्यक्ष महोदय -- प्रश्नकाल के बाद में आपकी बात सुनी जायेगी...(व्यवधान)..

श्री उमाशंकर गुप्ता -- प्रश्नकाल तो हो जाने दें...(व्यवधान)... आप तो बहुत सीनियर हैं..(व्यवधान)..

श्री बहादुर सिंह चौहान -- अध्यक्ष महोदय, फिर हम भी इनके प्रश्न होंगे तो हम भी व्यवधान...(व्यवधान)..

अध्यक्ष महोदय- प्रश्नकाल के बाद मैं आपकी बात सुनूंगा. ..(व्यवधान)..

डॉ. गोविंद सिंह- आपको चर्चा कराने में क्या परेशानी है ?

श्री उमाशंकर गुप्ता- प्रश्नकाल तो चलने दो. प्रश्नकाल के बाद करें जो करना है. आप तो इतने सीनियर हैं.. (व्यवधान)..

डॉ. गोविंद सिंह- अध्यक्ष महोदय, आप स्वीकार करें कि चर्चा हो जाएगी.

श्री बहादुर सिंह चौहान - अध्यक्ष महोदय, फिर इनका प्रश्न होगा तो हम भी व्यवधान पैदा करेंगे.

श्री उमाशंकर गुप्ता- अध्यक्ष महोदय, प्रश्नकाल तो चलने दीजिए, इन सबके प्रश्न हैं. ये प्रश्नकाल के बाद उठा लें.

अध्यक्ष महोदय- कृपा करके प्रश्नकाल हो जाने दें.. (व्यवधान).. प्रश्नकाल के बाद आपकी बात सुनेंगे. श्री दिव्यराज सिंह जी आप अपना प्रश्न करें.

श्री लाल सिंह आर्य - विधायकों के अधिकारों को छीनने की कोशिश हो रही है.

श्री सुन्दरलाल तिवारी - अध्यक्ष महोदय, आप आश्वासन दे दें.

श्री बाला बच्चन - माननीय अध्यक्ष महोदय आप हमें आश्वस्त करिए कि आप चर्चा कराएंगे. ..(व्यवधान)..

अध्यक्ष महोदय- आप कृपा करके आधा घण्टा रुक जाएं. कृपा करके 12 बजे बोलें जो बोलना है, मैं आपको बोलने की अनुमति दूंगा..(व्यवधान)...

श्री लाल सिंह आर्य - माननीय अध्यक्ष महोदय, कांग्रेस के लोग सुप्रीम कोर्ट के निर्णय की अवमानना कर रहे हैं.

कुंवर विक्रम सिंह- अध्यक्ष महोदय, ये श्री लाल सिंह आर्य जी कुछ भी बोलते रहते हैं...(व्यवधान)..

श्री बाला बच्चन- माननीय अध्यक्ष महोदय, आप चर्चा कराएंगे ये कम से कम बोल तो दीजिए...(व्यवधान)...लाखों लोगों के डूब का मामला है.

श्री लाल सिंह आर्य- माननीय अध्यक्ष महोदय, कांग्रेस के लोग माननीय सुप्रीम कोर्ट का अपमान कर रहे हैं.

श्री बहादुर सिंह चौहान - माननीय अध्यक्ष महोदय, आप कह रहे हैं कि शून्यकाल में मैं बात को सुनूंगा, इनको आसंदी पर विश्वास रखना चाहिए.. ...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय- माननीय बघेल साहब, माननीय सचिन यादव जी कृपा करके प्रश्नकाल हो जाने दें आपको बात करने का अवसर दूंगा. जो बोलना है शून्यकाल में बोलें.

श्री बाला बच्चन - हम रोज शून्यकाल में बोल रहे हैं.

अध्यक्ष महोदय- आप शून्यकाल में कहें, 12 बजे कहिए.

नेता प्रतिपक्ष (श्री अजय सिंह) - अध्यक्ष महोदय, मैं आपसे गुजारिश कर रहा हूं हम शून्यकाल में बात करेंगे. लेकिन बात हमने कल भी की थी, आप एक शब्द कह दें कि हम चर्चा कराएंगे.

अध्यक्ष महोदय- अभी नहीं. शून्यकाल में सुनेंगे..(व्यवधान)..

श्री बहादुर सिंह चौहान- वे कह रहे हैं कि सुनेंगे शून्यकाल में, माननीय अध्यक्ष जी कह रहे हैं कि शून्यकाल में आपको सुनेंगे.

श्री उमाशंकर गुप्ता- प्रश्नकाल तो चलने दो, नेता प्रतिपक्ष जी प्रश्नकाल ही खत्म कर देंगे, ये आप प्रश्नकाल का समय खत्म कर रहे हैं..(व्यवधान)...

अध्यक्ष महोदय - आप बैठ जायं.

वन मंत्री (डॉ. गौरीशंकर शेजवार)- माननीय अध्यक्ष महोदय, आप आसंदी पर दबाव बना रहे हैं यह घोर आपत्तिजनक है. ये लोग आसंदी पर दबाव बना रहे हैं.

श्री शैलेन्द्र जैन - अध्यक्ष महोदय, आसंदी पर दबाव बनाने की कोशिश हो रही है. यह उचित नहीं है.

श्रीमती ममता मीना- माननीय अध्यक्ष महोदय, कल कांग्रेस के सदस्यों के ज्यादा प्रश्न लगे थे इसलिये इन्होंने प्रश्नकाल को बाधित नहीं किया लेकिन आज हमारे प्रश्न लगे हैं.. (व्यवधान). यह इनकी साजिश है, ये जानबूझकर प्रश्न काल को बाधित कर रहे हैं. हमारे सारे प्रश्न आने चाहिये, हमारे प्रश्न बहुत महत्वपूर्ण हैं... (व्यवधान)..

श्री शैलन्द्र जैन - यह विधायकों के साथ आप अन्याय कर रहे हैं. कितनी मुश्किल में कोई प्रश्न लगता है, आपको उसकी पीड़ा मालूम होना चाहिए.

श्री अजय सिंह- माननीय अध्यक्ष महोदय, मैंने कोई दबाव नहीं डाला, मेरा शब्द है 'गुजारिश कर रहा हूं' यदि हमारी गुजारिश भी नहीं सुनी जाएगी तो कहां सुनी जाएगी ?

श्री शैलेन्द्र जैन - आपकी गुजारिश शून्यकाल में सुनी जाएगी.

श्री लाल सिंह आर्य- माननीय अध्यक्ष महोदय, कांग्रेस के नेता प्रतिपक्ष सुप्रीम कोर्ट की अवमानना कर रहे हैं, सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों की अवहेलना कर रहे हैं... (व्यवधान)...

डॉ. गोविन्द सिंह - आप चर्चा के लिए स्वीकार कहां कर रहे हैं. आप हर मामलों को दबाते हो.(व्यवधान)..

श्री लाल सिंह आर्य - अध्यक्ष महोदय, मध्यप्रदेश की सरकार सुप्रीम कोर्ट के निर्णय का पालन कर रही है और अक्षरशः पालन कर रही है.

अध्यक्ष महोदय- कृपया प्रश्नकाल हो जाने दें उसके बाद हम आपकी बात सुनेंगे...(व्यवधान)...

(व्यवधान)..

(इंडियन नेशनल कांग्रेस के कई माननीय सदस्य गर्भ गृह में सरदार सरोवर बांध के डूब में आए प्रभावितों के विस्थापन के संबंध में स्थगन प्रस्ताव पर चर्चा कराए जाने की मांग को लेकर अपने बात कहते रहे.)

श्री लाल सिंह आर्य - ये विकास विरोधी हैं.

श्री विश्वास सारंग - ये सब विकास विरोधी हैं.

डॉ. गोविन्द सिंह - आपने उन लोगों की कोई व्यवस्था नहीं की है. अभी उनको बसाया नहीं है.

श्री विश्वास सारंग - ये सब विकास विरोधी हैं. इस देश में, इस प्रदेश में यदि विकास होगा उसके खिलाफ यह बात करते हैं. कांग्रेस विकास विरोधी है.

डॉ. गोविन्द सिंह - उनका विस्थापन हुआ नहीं है.(व्यवधान)..

अध्यक्ष महोदय - आप प्रश्नकाल हो जाने दें.

श्री विश्वास सारंग - अध्यक्ष महोदय, श्री अजय सिंह जी और पूरी कांग्रेस विकास विरोधी है. मेरा इल्जाम है आप विकास विरोधी हो. आप विकास नहीं करने देना चाहते हैं.

डॉ. गोविन्द सिंह - आप विकास के लिए मध्यप्रदेश के लोगों की बलि देना चाहते हो.

श्री विश्वास सारंग - एक अच्छा काम हो रहा है, आप विकास विरोधी हो. यह विकास का काम हो रहा है. हर चीज में मुद्दा बनाते हैं..(व्यवधान)..हजारों किसानों को फायदा होगा. ये किसान विरोधी हैं. ये विकास के विरोधी हैं. कांग्रेस किसान विरोधी है.

(व्यवधान)..

श्री लाल सिंह आर्य - अध्यक्ष महोदय, यह केवल राजनीतिक लाभ लेने के लिए षड्यंत्र कर रहे हैं. ये विकास विरोधी हैं.

श्री विश्वास सारंग - (व्यवधान)... अध्यक्ष महोदय, ये लोग विकास के खिलाफ हैं. भविष्य आपको माफ नहीं करेगा. इनकी विकास विरोधी मानसिकता है. इस देश में विकास नहीं चाहते हैं.

अध्यक्ष महोदय - कृपया अपने स्थान से बोलें. आप अपने स्थान पर जायं.

कुंवर विक्रम सिंह - अध्यक्ष महोदय, मैं निवेदन कर रहा हूं कृपया इस पर चर्चा कराएं.

अध्यक्ष महोदय - आप अपने स्थान पर जायं.

(व्यवधान)..

पंचायत और ग्रामीण विकास मंत्री (श्री गोपाल भार्गव) - अध्यक्ष महोदय, आज की कार्यसूची में आपने चार ध्यानाकर्षण सूचनाएं ली हैं. ये चारों महत्वपूर्ण हैं. विधि विषयक कार्य भी है. इन्हें पूरा करने के बाद जो भी समय शेष बचे, उसमें चर्चा के लिए यदि माननीय नेता प्रतिपक्ष आग्रह करते हैं, यदि समय शेष होगा तो चर्चा होगी. समय कम है..

श्री लाल सिंह आर्य - एक भी किसान को बलपूर्वक नहीं हटाया जाएगा, पूरे किसानों की रक्षा होगी. पूरे किसानों को सरकार संरक्षण दे रही है.

एक माननीय सदस्य - अध्यक्ष महोदय, मैं भार्गव जी की बात का समर्थन करता हूं.

श्री लाल सिंह आर्य - सरकार उनका विकास कर रही है. (व्यवधान)..

अध्यक्ष महोदय - आप अपने स्थान पर जाएं, आप प्रश्नकाल पूरा हो जाने दें. उसके बाद श्री बाला बच्चन जी को मैं बोलने के लिए समय दूंगा.

श्री गोपाल भार्गव -.. आप उदारतापूर्वक सारी चर्चा करवाएं. हम लोगों को कोई आपत्ति नहीं है लेकिन आज की कार्यसूची में जो विषय हैं, चार ध्यानाकर्षण सूचनाएं हैं, पांच विधि विषयक कार्य हैं, विधेयक हैं, इन पर चर्चा के बाद जो समय शेष हो. हम चर्चा के लिए मना नहीं कर रहे हैं लेकिन आज की कार्यसूची में जो विषय हैं, उन विषयों को, उस एजेंडे की कार्यवाही को पहले लिया जाना चाहिए. इस तरह से कार्यवाही बाधित करके सदस्यों के अधिकारों को क्षति नहीं पहुंचाई जा सकती है.

श्री लाल सिंह आर्य - कांग्रेस के लोगों (XXX) बंद करो. यह षड्यंत्र बंद करो, यह (XXX) नहीं चलेगी. यह नाटक नहीं चलेगा. हम हैं, हम किसानों की रक्षा करेंगे. आप किसान विरोधी हैं.

श्री अजय सिंह - श्री गोपाल भार्गव जी कह रहे हैं कि चर्चा करा लेंगे, हमारी तो गुजारिश सिर्फ आपसे यह है कि इसे चर्चा के लिए ले लिया जाय. आप कह रहे हैं चर्चा करा लेंगे? (व्यवधान)..

श्री गोपाल भार्गव - अध्यक्ष महोदय, इस तरह से कार्यवाही बाधित करके सदस्यों के अधिकारों को क्षति नहीं पहुंचाई जा सकती है.

श्री सुन्दरलाल तिवारी - लोगों को गोली मरवाई. 6 लोगों को गोली से मरवाया.

श्री लाल सिंह आर्य - आप लोग विकास विरोधी हो. आप किसान विरोधी हो.

श्री गोपाल भार्गव - आपका भी इसमें ध्यानाकर्षण है. डिण्डौरी के जनजाति के लोगों का भी ध्यानाकर्षण है, श्योपुर में खाद का भी ध्यानाकर्षण है, यह किसानों से संबंधित है. फर्टिलाइजर से संबंधित, मनरेगा के पेमेंट से संबंधित है. तमाम प्रकार के जनहित के ध्यानाकर्षण इसमें आपने लिये हैं.

(व्यवधान)..

अध्यक्ष महोदय - अभी बहुत से विषय हैं. मेरा आपसे विनम्र अनुरोध है. (कई माननीय सदस्यों के गर्भ गृह से बोलते रहने पर) कृपा अपने आसन पर बैठें और 20 मिनट में जितने प्रश्न हो सकते हैं. नहीं, आश्वासन अभी नहीं है. आप 12 बजे अपनी बात कहिए. आप अपनी बात इसके बाद कहिए. इसके बाद फिर विचार करेंगे.

श्री गोपाल भार्गव - अध्यक्ष महोदय, उतनी ही महत्वपूर्ण ध्यानाकर्षण सूचनाएं हैं. उतने ही महत्वपूर्ण विधि विषयक कार्य हैं.

अध्यक्ष महोदय - मेरा अनुरोध है कि प्रश्नकाल हो जाने दें. आपने स्थान पर बैठें. (व्यवधान)..

श्री गोपाल भार्गव - अध्यक्ष महोदय, आज की कार्यसूची में कार्यमंत्रणा समिति ने जो तय किया था. यह मैं कार्यमंत्रणा समिति की बैठक का हवाला दे रहा हूं कि कार्यमंत्रणा समिति में जो माननीय सदस्यों ने तय किया था, यह पक्ष और प्रतिपक्ष के सदस्यों ने तय किया था, उसके हिसाब से ही कार्यवाही चलना चाहिए.

श्री लाल सिंह आर्य - अध्यक्ष महोदय, डूब प्रभावित क्षेत्र के लोगों को 640 करोड़ रुपए का पैकेज हमने दिया है.

(व्यवधान)

श्री सुन्दरलाल तिवारी-- 6 लोगों को गोली से मरवा दिया**(व्यवधान)**

श्री गोपाल भार्गव--अध्यक्ष महोदय, आज की कार्यसूची में आपने जो भी ध्यानाकर्षण सूचनाएं और विधि-विषयक कार्य लिए हैं, उनके पूरा होने के बाद जो समय शेष हो, हम उसमें चर्चा करवाने के लिए तैयार है. हम चर्चा करवाने के लिए तैयार हैं लेकिन यह काम पूरा होना चाहिए**(व्यवधान**)

एक माननीय सदस्य-- अध्यक्ष महोदय, गोपाल भार्गव जी चर्चा करवाने के लिए तैयार हैं, वह आप कह दें**(व्यवधान)**

श्री गोपाल भार्गव-- अध्यक्ष महोदय, आज के एजेण्डा की कार्यवाही पूरा होना चाहिए.

अध्यक्ष महोदय-- उनकी पूरी बात आपने नहीं सुनी कि पहले कार्य सूची का काम पूरा होने दें. हम आपको यह आश्वस्त कर रहे हैं कि शून्य काल में मैं नेता प्रतिपक्ष और उप नेता जी को बोलने का समय दूंगा. **(व्यवधान)**

श्री गोपाल भार्गव-- आप अध्यक्ष जी से जबरन हां कहलवाना चाहते हैं**.(व्यवधान)**

डॉ गोविन्द सिंह-- आप 139 की चर्चा में कल लेने को तैयार हैं इसकी घोषणा कर दें. **(व्यवधान)**

श्री गोपाल भार्गव-- आसंदी जो व्यवस्था देगी वह सबको स्वीकार होना चाहिए. **व्यवधान**

अध्यक्ष महोदय-- आप अपने स्थान पर जायें. जो कार्य सामने है, पहले उसको पूरा होने दें.**(व्यवधान)**

श्री गोपाल भार्गव--अध्यक्ष जी से आप बलात् हां नहीं कहलवा सकते**.(व्यवधान)**

श्री लाल सिंह आर्य--अध्यक्ष महोदय, यह कहना गलत है कि 23 हजार परिवार प्रभावित हो रहे हैं. नेता प्रतिपक्ष का यह कहना गलत है. **(व्यवधान**)

अध्यक्ष महोदय-- सदन की कार्यवाही 1200 बजे तक के लिए स्थगित.

(**11.42** बजे सदन की कार्यवाही अपराह्न **12.00 बजे तक के लिए स्थगित** की गई)

(12.04 बजे) विधान सभा पुनः समवेत हुई.

{ अध्यक्ष महोदय(डॉ.सीतासरन शर्मा)पीठासीन हुए }

श्री बाला बच्चन - माननीय अध्यक्ष महोदय, हमारा जो इश्यू है वह कई दिनों से ऐसे ही पेंडिंग है और अभी भी हमको लग रहा है कि आप शायद चर्चा नहीं कराएं. आप चर्चा कराएंगे आप कृपया आश्वासन दें

राज्यमंत्री,सहकारिता (श्री विश्वास सारंग) - माननीय अध्यक्ष महोदय, मेरी आपत्ति है. विपक्ष हमेशा सदन को ठीक ढंग से नहीं चलने दे रहा.

श्री बाला बच्चन - सरकार चर्चा से क्यों भाग रही है.साढ़े तीन लाख लोग इससे प्रभावित हो रहे हैं.

श्री विश्वास सारंग - आप रिकार्ड उठाकर देखिये. इस सत्र में हर इश्यू पर यह विरोध करते हैं.

कुंवर सौरभ सिंह - सदन की गरिमा तो आप लोगों ने कम की है.

(..व्यवधान..)

श्री विश्वास सारंग - माननीय अध्यक्ष महोदय, हर इश्यू पर यह जबर्दस्ती का मुद्दा बनाते हैं.

(..व्यवधान..)

कुंवर सौरभ सिंह - लगातार भ्रामक जानकारियां सदन में दी जा रही हैं.(..व्यवधान..) यह गंभीर मामला है.

श्री विश्वास सारंग - ध्यानाकर्षण लगे हैं. प्रश्नकाल चलने नहीं दिया.

श्री सुरेन्द्र सिंह बघेल - कितना मंत्रिमण्डल गंभीर है और कितनी गंभीर सरकार है मालूम है.

(..व्यवधान..)

श्री विश्वास सारंग - यह केवल मीडिया में छपने के लिये इस तरह का हंगामा करते हैं.

राज्यमंत्री,सामान्य प्रशासन (श्री लाल सिंह आर्य) - माननीय अध्यक्ष महोदय, इनको किसानों से कोई लेना-देना नहीं है.

(..व्यवधान..)

12.05 बजे **नियम 267 (क) के अधीन विषय**

अध्यक्ष महोदय-- निम्नलिखित माननीय सदस्यों की सूचनायें सदन में पढ़ी हुई मानी जायेंगी-

1. श्री आरिफ अकील
2. श्री सत्यपाल सिंह सिकरवार
3. श्री मुरलीधर पाटीदार
4. इंजी. प्रदीप लारिया
5. श्री बाबूलाल गौर
6. श्री चम्पालाल देवड़ा
7. श्री अशीष गोविंद शर्मा
8. श्री फुंदेलाल सिंह मार्को
9. श्री रजनीश सिंह
10. श्री शैलेन्द्र पटेल

....(व्यवधान)....

श्री बाला बच्चन-- मध्यप्रदेश के 191 गांव करीब 23 हजार परिवार एवं लाखों लोगों का जीवन दूभर हो रहा है ....(व्यवधान)....

12.06 बजे **गर्भगृह में प्रवेश**

इण्डियन नेशनल कांग्रेस के सदस्य श्री सचिन यादव एवं श्री सुरेन्द्र सिंह बघेल

द्वारा गर्भगृह में प्रवेश

(इण्डियन नेशनल कांग्रेस के सदस्य श्री सचिन यादव एवं श्री सुरेन्द्र सिंह बघेल गर्भगृह में आये एवं कुछ समय पश्चात वापस चले गये)

....(व्यवधान)....

12.07 बजे **शून्यकाल में उल्लेख**

सामान्य प्रशासन मंत्री (श्री लालसिंह आर्य)-- माननीय अध्यक्ष महोदय, ये कांग्रेस के लोग किसानों को भड़काना चाहते हैं राजनैतिक लाभ उठाने के लिये यह सब कर रहे हैं. ....(व्यवधान)....

सहकारिता मंत्री (श्री विश्वास सारंग)-- माननीय अध्यक्ष महोदय, यह अनुशासनहीनता है. ....(व्यवधान)....

श्री लालसिंह आर्य-- माननीय अध्यक्ष महोदय, 9 हजार 240 परिवार पहले ही शिफ्ट हो चुके हैं. ....(व्यवधान)....

श्री बाला बच्चन-- सरकार की मजबूरी क्या है, सरकार चर्चा क्यों नहीं करा रही है. ....(व्यवधान)....

अध्यक्ष महोदय-- कृपया बैठ जायें, नेता प्रतिपक्ष खड़े हैं. एक मिनट के लिये बैठ जायें.

श्री गोपाल भार्गव-- माननीय अध्यक्ष महोदय, नेता प्रतिपक्ष जी का उनके दल के ऊपर कोई कंट्रोल ही नहीं है.

नेता प्रतिपक्ष (श्री अजय सिंह)-- माननीय अध्यक्ष महोदय, आदरणीय भार्गव जी ने कहा कि कोई कंट्रोल नहीं है. ....(व्यवधान)....

श्री दिव्यराज सिंह-- माननीय अध्यक्ष महोदय, 25 विधायक भी 25 लाख लोगों को प्रतिनिधित्व करते हैं तो उसका भी आप थोड़ा सा ध्यान दें.

वन मंत्री (श्री गौरीशंकर शेजवार)-- अध्यक्ष महोदय, विपक्ष के नेता जी से मेरा अनुरोध है कि भार्गव साहब ने यह कमेंट कर दिया कि नेता जी का दल पर कंट्रोल नहीं है तो यह संकोच में इनके सम्मान में बैठ गये अन्यथा इन्हें आत्म आंकलन करना चाहिये कि इनकी स्थिति वास्तव में है क्या ? दल में इनका कितना कंट्रोल है, कितना नहीं है ?

श्री अजय सिंह-- माननीय अध्यक्ष महोदय, मैं मानता हूं कि गोपाल भार्गव जी बात सही कह रहे होंगे, लेकिन प्रदेश के संवेदनशील मुख्यमंत्री को इतने महत्वपूर्ण बिंदु पर प्रदेश की जनता की चिंता नहीं है.(XXX)

श्री विश्वास सारंग-- माननीय अध्यक्ष महोदय, मुझे इस बात पर आपत्ति है. ....(व्यवधान)....

अध्यक्ष महोदय-- कक्ष की बात कार्यवाही से निकाल दें. ....(व्यवधान)....

राजस्व मंत्री (श्री उमाशंकर गुप्ता)-- हाउस चालू होने के पहले क्या नेता प्रतिपक्ष जी को मालूम था कि सदन नहीं चलेगा ? ....(व्यवधान)....

श्री अजय सिंह-- मैंने क्या गलत जानकारी दी ? (XXX) ....(व्यवधान)....

श्री विश्वास सारंग-- माननीय अध्यक्ष महोदय, आपके चेम्बर में क्या बातें हो रही हैं यह बातें यहां डिस्कस होंगी ? ....(व्यवधान)....

अध्यक्ष महोदय-- नहीं हो सकतीं.

श्री अजय सिंह-- (XXX)

श्री विश्वास सारंग-- माननीय अध्यक्ष महोदय, नेता प्रतिपक्ष जी चेम्बर में क्या-क्या बोलते हैं वह सदन में बताई जायें, यह परंपरा नहीं है. यह घोर आपत्तिजनक है. ....(व्यवधान)....

श्री लाल सिंह आर्य-- माननीय अध्यक्ष महोदय, मैं नर्मदा घाटी विकास विभाग का स्वतंत्र प्रभार का मंत्री हूं, मैं पूरी जिम्मेदारी के साथ यहां बैठा हूं. ....(व्यवधान)....

अध्यक्ष महोदय-- अभी उस विषय पर चर्चा नहीं हो रही है.

श्री अजय सिंह-- जब चर्चा स्वीकृत हो जायेगी तो नर्मदा घाटी के मंत्री महोदय अपना उत्तर दे दें.

श्री विश्वास सारंग-- माननीय अध्यक्ष महोदय, मेरी आपत्ति का आप कांग्लीजेंस लीजिये.

अध्यक्ष महोदय-- मैंने कांग्लीजेंस ले लिया है और वह कार्यवाही से निकाल भी दिया है. चेम्बर की बातें यहां नहीं होती. ....(व्यवधान)....

श्री विश्वास सारंग-- क्या नेता प्रतिपक्ष जो कुछ बोलेंगे वह भी यहां पर बताया जायेगा, ऐसे सदन चलेगा ?.....(व्यवधान)....

श्री अजय सिंह-- आप भी जो मुझसे गोपनीय बातें करते हैं वह भी नहीं बताया जायेगा. ....(व्यवधान)....

श्री उमाशंकर गुप्ता-- माननीय अध्यक्ष महोदय, मेरा एक आग्रह है, नेता प्रतिपक्ष बोलें, लेकिन यह स्पष्ट करें कि (XXX) उस समय नेता प्रतिपक्ष को कैसे मालूम था कि हाउस को आज यह बाधित करेंगे और मुख्यमंत्री को रहना चाहिये. इस बात को स्पष्ट करें, क्या आपके दिमाग में पहले से यह षड़यंत्र था, क्या आप इस हाउस को बाधित करना चाहते थे ? ....(व्यवधान).... नेता प्रतिपक्ष का यह क्या तरीका है ? यह योजना बनाकर आये हैं ....(व्यवधान)....

(...व्यवधान...)

श्री अजय सिंह -- अध्यक्ष महोदय, मैं तो सिर्फ सदन को जानकारी दे रहा हूं.चर्चा ले ली जाये यही मेरा निवेदन है क्योंकि यह एक ज्वलंत समस्या है. खंडवा जिले का मामला है. मुख्यमंत्री जी (XXX) सदन में नहीं हैं.यह मैं उनकी संवेदनशीलता बता रहा हूं कि वे कितने गंभीर हैं.

(...व्यवधान...)

डॉ.गोविंद सिंह -- अध्यक्ष महोदय, विस्थापितों को तुरंत लाभ पहुंचाईये. अगर लाभ पहुंचाया होता तो यह सरकार चर्चा से क्यों भाग रही है.

(....व्यवधान...)

अध्यक्ष महोदय- मैंने आपसे कहा था कि मैं बाला बच्चन जी को शून्यकाल में बोलने की अनुमति दूंगा. अब एक मिनट में बाला बच्चन जी अपनी बात कहेंगे. कृपया विषय पर बोलें एवं लंबा भाषण न दें.

(...व्यवधान...)

श्री बाला बच्चन-- माननीय अध्यक्ष महोदय, 18 जुलाई से मैंने और मेरे साथियों ने सुरेन्द्र सिंह बघेल जी ने, सचिन यादव जी, विजय सोलंकी जी, झूमा सोलंकी जी ने और जो डूब क्षेत्र के जिलों के जो विधायक हैं धार, बड़वानी, खरगौन और उसके बाद अलीराजपुर के, हम सभी लोगों ने 18 जुलाई से स्थगन भी दिया है और नियम 139 के तहत चर्चा हो वह भी हमने दी हुई है . लगभग 3 लाख लोग विस्थापन की समस्या से परेशान हैं और इससे बढ़कर के मवेशी...

श्रीमती रंजना बघेल -- अध्यक्ष महोदय, मेरा भी डूब प्रभावित क्षेत्र है आपको मुझे भी सुनना चाहिये. कांग्रेस के सभी विधायक वहां सिर्फ इसलिये गये थे कि वहां पर लोगों को भ्रमित कर सकें.मुझे भी सुना जाये. यह असत्य बोल रहे हैं.

(...व्यवधान...)

श्री बाला बच्चन-- माननीय अध्यक्ष महोदय, आपने मुझे बोलने की अनुमति दी है.

श्रीमती रंजना बघेल -- अध्यक्ष महोदय, सभी विधायक इसलिये गये थे कि वहां के लोग संकल्प पत्र न भरें. यह भ्रमित कर रहे थे और पुनर्वास में नहीं जाने के लिये कह रहे थे.

(...व्यवधान...)

श्री लाल सिंह आर्य -- अध्यक्ष महोदय, सिर्फ किसानों को भड़काने का काम हो रहा है. भड़काने के अलावा कुछ नहीं किया है.

श्रीमती रंजना बघेल-- कलेक्टर, एसपी के साथ हम एक एक घर में चार चार बार गये थे. मुख्यमंत्री जी से सतत उनको ग्रुपवाईज मिलाया और मुख्यमंत्री जी ने उनकी समस्या को सुना है कल भी मुख्यमंत्री जी मिले हैं.

अध्यक्ष महोदय- माननीय उप नेता जी आपको मैंने कहा था बोलने के लिये मैं आपसे एक अनुरोध करना चाहता हूं हालांकि यह बात मैं कहना नहीं चाहता था कि अनुपूरक बजट पर साढे चार घंटे चर्चा हुई इसमें इस विषय पर एक शब्द भी नहीं बोला गया. आपके एक भी सदस्य ने इस विषय पर अनुपूरक बजट में नहीं बोला. साढ़े चार घंटे अनुपूरक पर चर्चा हुई और 2 घंटे का समय था.

श्री बाला बच्चन - अध्यक्ष महोदय, बजट में इसलिये नहीं बोला कि हमने 139 की अविलंबनीय लोक महत्व के विषय पर चर्चा मांगी थी. हमको लगा था कि चर्चा आयेगी तब उस पर बोलेंगे.

अध्यक्ष महोदय-आपने किसी ने भी इसका उल्लेख नहीं किया. इसके बाद भी मैंने आपको अनुमति दी है कि आप बोलें परंतु आप वही बात रिपीट कर रहे हैं . आप एक मिनिट में सरकार को कह दें कि आप क्या चाहते हैं बात खतम.

श्री बाला बच्चन -- अध्यक्ष महोदय, हम यह चाहते हैं कि डूब प्रभावित लोगों के लिये जो सरदार सरोवर परियोजना में जो डूल में जो गांव आ रहे हैं.बलपूर्वक लोगों से गांव खाली कराये जा रहे हैं, उसको सरकार रोके, सरकार इस महत्वपूर्ण मुद्दे पर सदन में चर्चा कराये जिसमें सारी बातें आ जायेंगी. यही मांग है.

(...व्यवधान...)

श्रीमती रंजना बघेल- अध्यक्ष महोदय, यह सिर्फ लोगों को भ्रमित करते हैं, मुख्यमंत्री जी से यह लोग कभी मिले नहीं, लोगों की समस्या को रखा नहीं सिर्फ भ्रमित करने का काम कर रहे हैं. विशेष पैकेज मध्यप्रदेश सरकार ने दिया है. प्रति व्यक्ति डूब प्रभावित क्षेत्र को 15-15 लाख का पैकेज दिया है.

श्री बाला बच्चन -- अध्यक्ष महोदय, हम आपसे हाथ जोड़कर आपसे आग्रह कर रहे हैं कि जब तक हमारी मांग को सरकार नहीं मानेगी हम चुप बैठने वाले नहीं है. अध्यक्ष महोदय, आप हमारी मांग को क्यों नहीं मान रहे हैं. सरकार की क्या मजबूरी है. सरकार हमारी बात को क्यों नहीं मान रही है, क्यों चर्चा नहीं करवा रही है. हम सिर्फ डूब क्षेत्र के लोग चर्चा चाह रहे हैं. आप क्यों नहीं

चर्चा कराना चाहते हैं, आपकी क्या मजबूरी है. अध्यक्ष महोदय इससे यह स्पष्ट है कि सरकार कितनी किसान विरोधी है, किसानों के नाम पर ढोंग करने वाली सरकार है.

(...व्यवधान...)

12.12 बजे **गर्भगृह में प्रवेश**

इंडियन नेशनल कांग्रेस के सदस्यगण द्वारा गर्भगृह मे प्रवेश

(सरदार सरोवर बांध के डूब क्षेत्र में आने वाले विस्थापितों पर दिये गये स्थगन पर चर्चा कराने की मांग को लेकर इंडियन नेशनल कांग्रेस के अनेक सदस्यगण का गर्भगृह में प्रवेश)

(....व्यवधान....)

अध्यक्ष महोदय- कल ही अनुपूरक पर चर्चा हुई है. ऐसा आप मत करें और अपने अपने स्थान पर बैठिये.

श्री बाला बच्चन-- अध्यक्ष महोदय, यह सरकार किसान विरोधी सरकार है इसलिये चर्चा नहीं कराना चाहती है.

अध्यक्ष महोदय- पत्रों का पटल पर रखा जाना. कुंवर विजय शाह.....

12.13 बजे **पत्रों का पटल पर रखा जाना.**

खाद्य,नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग की अधिसूचना

क्रमांक एफ-7-12/2016/उन्तीस-1, दिनांग 17 मई, 2017

कुंवर विजय शाह(स्कूल शिक्षा मंत्री) -- माननीय अध्यक्ष महोदय, मैं,राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम, 2013 (क्रमांक 20 सन् 2013) की धारा 40 की उपधारा (3) की अपेक्षानुसार खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग की अधिसूचना क्रमांक एफ-7-12/2016/उन्तीस-1, दिनांग 17 मई, 2017 पटल पर रखता हूं.

(...व्यवधान...)

12.14 बजे

ध्यानाकर्षण

अध्यक्ष महोदय-- विधानसभा नियमावली के नियम 138(3) के अनुसार किसी एक बैठक में दो से अधिक ध्यान आकर्षण की सूचनाएं नहीं ली जा सकती हैं, परंतु सदस्यों की ओर से अभी तक प्राप्त ध्यान आकर्षण की सूचनाओं में दर्शाये गये विषयों की अविलम्बनीयता तथा महत्व के साथ ही माननीय सदस्यों के विशेष आग्रह को देखते हुये सदन की अनुमति की प्रत्याशा में नियम को शिथिल करके मैंने आज की कार्यसूची में चार सूचनाएं सम्मिलित किये जाने की अनुज्ञा प्रदान की है. लेकिन इसके साथ ही मेरा अनुरोध है कि जिन माननीय सदस्यों के नाम सूचनाओं में हों केवल वे ही प्रश्न पूछकर इन ध्यान आकर्षण सूचनाओं पर यथा शीघ्र चर्चा समाप्त हो सके, इस दृष्टि से कार्यवाही पूरी कराने में सहयोग प्रदान करें.

मै समझता हूं सदन इससे सहमत है.

(सदन द्वारा सहमति प्रदान की गई)

श्री बाला बच्चन - माननीय अध्यक्ष महोदय, यह सरकार किसान विरोधी है. इसलिए डूब क्षेत्र के प्रभावित लोगों के विषय में चर्चा से भाग रही है. (व्यवधान).....

अध्यक्ष महोदय - आप सभी ऐसा मत करिए, मेहरबानी करके अपने-अपने स्थान पर जाएं. (व्यवधान).....आप सभी अपने स्थान पर जाएं.

श्री लाल सिंह आर्य - अनुपूरक बजट में किसी ने भी इस विषय पर कोई चर्चा नहीं की है. कांग्रेस सिर्फ लोगों को भड़काने का काम कर रही है, इससे स्पष्ट होता है कि (XXX) (व्यवधान).....

श्री गोपाल परमार - (XXX) कांग्रेस आज भी किसानों की हितैषी नहीं है. (व्यवधान).....

अध्यक्ष महोदय - आप सभी बैठ जाएं. आज की कार्यसूची में उल्लेखित सभी ध्यानाकर्षण की सूचनाएं पढ़ी हुई मानी जाएंगी एवं माननीय मंत्रीगण के वक्तव्य पटल पर रखे हुए माने जाएंगे.

(व्यवधान).....आप सभी लोग कृपया अपने अपने स्थान पर जाएं.

12.17 बजे **याचिकाओं की प्रस्तुति**

अध्यक्ष महोदय - आज की कार्यसूची में सम्मिलित सभी याचिकाएं प्रस्तुत की हुई मानी जाएंगी. (व्यवधान)..

श्री बाला बच्चन - माननीय अध्यक्ष महोदय यह सरकार की तानाशाही है. अध्यक्ष महोदय, आपको हमारी मांग पर चर्चा कराना चाहिए. (व्यवधान)..

अध्यक्ष महोदय - आप सभी कृपया बैठ जाएं. कार्यवाही आगे बढ़ने दें. (व्यवधान)..

श्री बाला बच्चन - माननीय अध्यक्ष महोदय, मैं समझता हूं कि मध्यप्रदेश का इससे बड़ा दुर्भाग्य और कुछ नहीं हो सकता है. यह घोर आपत्तिजनक और निंदनीय है. आपको हमारी बात सुनना चाहिए और मांगों पर चर्चा कराना चाहिए. (व्यवधान)..

(इंडियन नेशनल कांग्रेस के सदस्यगण गर्भगृह में जोर-जोर से नारे लगाने लगे और स्थगन पर चर्चा की मांग करते रहे)

अध्यक्ष महोदय - आप सभी अपने स्थान पर जाएं. (व्यवधान)..

श्री के.के. श्रीवास्तव - माननीय अध्यक्ष महोदय, (XXX) अब विस्थापित और पुनर्वास की बात लेकर आ गये (व्यवधान)..

श्री बाला बच्चन - माननीय अध्यक्ष महोदय, यह घोर आपत्तिजनक है. (व्यवधान)..हमारी मांगों को माना जाए. माननीय अध्यक्ष महोदय, मेरा आपसे आग्रह है कि विधानसभा में डूब क्षेत्र के लोगों से संबंधित चर्चा कराई जाए. (व्यवधान)..

12.18 बजे **शासकीय विधि विषयक कार्य**

(1) **मध्यप्रदेश सहकारी सोसाइटी (संशोधन) विधेयक, 2017 (क्रमांक 22 सन् 2017) का पुर:स्थापन**

राज्यमंत्री, सहकारिता (श्री विश्वास सारंग) - माननीय अध्यक्ष महोदय, मैं मध्यप्रदेश सहकारी सोसाइटी (संशोधन) विधेयक, 2017 (क्रमांक 22 सन् 2017) के पुर:स्थापन की अनुमति चाहता हूं.

अध्यक्ष महोदय - प्रश्न यह है कि मध्यप्रदेश सहकारी सोसाइटी (संशोधन) विधेयक, 2017 (क्रमांक 22 सन् 2017) के पुर:स्थापन की अनुमति दी जाए.

अनुमति प्रदान की गई.

श्री विश्वास सारंग - माननीय अध्यक्ष महोदय, मैं मध्यप्रदेश सहकारी सोसाइटी (संशोधन) विधेयक, 2017 (क्रमांक 22 सन् 2017) का पुर:स्थापन करता हूं. (व्यवधान)

श्री बाला बच्चन - माननीय अध्यक्ष महोदय, आप हमारी मांग पर चर्चा करवाएं. (व्यवधान)

.....

(इंडियन नेशनल कांग्रेस के सदस्यगण द्वारा गर्भगृह में जोर-जोर से नारे लगाकर चर्चा कराने की मांग की गई) (व्यवधान).....

अध्यक्ष महोदय - आपको अनुपूरक में समय मिला था, आपने उसका उपयोग नहीं किया है. आप सभी अपने स्थान पर बैठें. आप लोगों को जो कुछ भी कहना है अपने स्थान से बोलें. (व्यवधान).....कृपया अपने स्थान पर बैठें और आपको जो कुछ भी बोलना है अपने स्थान से बोलें. (व्यवधान).....

(2) **मध्यप्रदेश करों की पुरानी बकाया राशि का समाधान विधेयक, 2017 (क्रमांक 15 सन् 2017)**

वाणिज्यिक कर मंत्री (श्री जयंत मलैया) - माननीय अध्यक्ष महोदय, मैं प्रस्ताव करता हूं कि मध्यप्रदेश करों की पुरानी बकाया राशि का समाधान विधेयक, 2017 (क्रमांक 15 सन् 2017) पर विचार किया जाए.

अध्यक्ष महोदय - प्रस्ताव प्रस्तुत हुआ कि मध्यप्रदेश करों की पुरानी बकाया राशि का समाधान विधेयक, 2017 (क्रमांक 15 सन् 2017) पर विचार किया जाए.

प्रश्न यह है कि मध्यप्रदेश करों की पुरानी बकाया राशि का समाधान विधेयक, 2017 (क्रमांक 15 सन् 2017) पर विचार किया जाए.

प्रस्ताव स्वीकृत हुआ.

अध्यक्ष महोदय - अब विधेयक के खण्डों पर विचार होगा.

प्रश्न यह है कि खण्ड 2 से 14 इस विधेयक का अंग बने.

खण्ड 2 से 14 इस विधेयक के अंग बने.

प्रश्न यह है कि खण्ड 1 इस विधेयक का अंग बने.

खण्ड 1इस विधेयक के अंग बना.

प्रश्न यह है कि पूर्ण नाम तथा अधिनियमन सूत्र विधेयक का अंग बने.

पूर्ण नाम तथा अधिनियमन सूत्र विधेयक का अंग बने.

वाणिज्यिक कर मंत्री (श्री जयंत मलैया) - माननीय अध्यक्ष महोदय, मैं प्रस्ताव करता हूं कि मध्यप्रदेश करों की पुरानी बकाया राशि का समाधान विधेयक, 2017 (क्रमांक 15 सन् 2017) पारित किया जाए.

अध्यक्ष महोदय - प्रस्ताव प्रस्तुत हुआ कि मध्यप्रदेश करों की पुरानी बकाया राशि का समाधान विधेयक, 2017 (क्रमांक 15 सन् 2017) पारित किया जाए.

प्रश्न यह है कि मध्यप्रदेश करों की पुरानी बकाया राशि का समाधान विधेयक, 2017 (क्रमांक 15 सन् 2017) पारित किया जाए.

विधेयक पारित हुआ.

(व्यवधान)

श्री बाला बच्चन - (XXX) (व्यवधान) .....

अध्यक्ष महोदय - आप सभी अपने स्थान पर जाएं. (व्यवधान) .....कृपया आप सभी अपने स्थान पर जाएं. कृपया अपने स्थान पर बैठ जाएं.

.....(व्यवधान).....

(3) मध्यप्रदेश निजी विश्वविद्यालय (स्थापना एवं संचालन) संशोधन विधेयक, 2017 (क्रमांक 16 सन् 2017)

उच्च शिक्षा मंत्री (श्री जयभान सिंह पवैया) - माननीय अध्यक्ष महोदय, मैं प्रस्ताव करता हूँ कि मध्यप्रदेश निजी विश्वविद्यालय (स्थापना एवं संचालन) संशोधन विधेयक, 2017 पर विचार किया जाए.

अध्यक्ष महोदय - प्रस्ताव प्रस्तुत हुआ कि मध्यप्रदेश निजी विश्वविद्यालय (स्थापना एवं संचालन) संशोधन विधेयक, 2017 पर विचार किया जाए.

प्रश्न यह है कि मध्यप्रदेश निजी विश्वविद्यालय (स्थापना एवं संचालन) संशोधन विधेयक, 2017 पर विचार किया जाए.

प्रस्ताव स्वीकृत हुआ.

अध्यक्ष महोदय - अब विधेयक के खण्डों पर विचार होगा.

प्रश्न यह है कि खण्ड 2 तथा 3 इस विधेयक का अंग बने.

खण्ड 2 तथा 3 इस विधेयक का अंग बने.

प्रश्न यह है कि खण्ड 1 इस विधेयक का अंग बने.

खण्ड 1 इस विधेयक का अंग बना.

प्रश्न यह है कि पूर्ण नाम तथा अधिनियमन सूत्र विधेयक का अंग बने.

पूर्ण नाम तथा अधिनियमन सूत्र विधेयक का अंग बने.

.....(व्यवधान).....

श्री बाला बच्चन - (XXX)

श्री जयभान सिंह पवैया - माननीय अध्यक्ष महोदय, मैं प्रस्ताव करता हूँ कि मध्यप्रदेश निजी विश्वविद्यालय (स्थापना एवं संचालन) संशोधन विधेयक, 2017 पारित किया जाए.

अध्यक्ष महोदय - प्रस्ताव प्रस्तुत हुआ कि मध्यप्रदेश निजी विश्वविद्यालय (स्थापना एवं संचालन) संशोधन विधेयक, 2017 पारित किया जाए.

प्रश्न यह है कि मध्यप्रदेश निजी विश्वविद्यालय (स्थापना एवं संचालन) संशोधन विधेयक, 2017 पर पारित किया जाए.

प्रस्ताव स्वीकृत हुआ

विधेयक पारित हुआ.

(इंडियन नेशनल कांग्रेस के सदस्यगण गर्भगृह में जोर-जोर से नारे लगाने लगे)

.....(व्यवधान).....

(4) मध्यप्रदेश मंत्री (वेतन तथा भत्ता) संशोधन विधेयक, 2017

(क्रमांक 17 सन् 2017)

राज्य मंत्री, सामान्य प्रशासन (श्री लाल सिंह आर्य) - माननीय अध्यक्ष महोदय, मैं प्रस्ताव करता हूँ कि मध्यप्रदेश मंत्री (वेतन तथा भत्ता) संशोधन विधेयक, 2017 पर विचार किया जाए.

अध्यक्ष महोदय - प्रस्ताव प्रस्तुत हुआ कि मध्यप्रदेश मंत्री (वेतन तथा भत्ता) संशोधन विधेयक, 2017 पर विचार किया जाए.

प्रश्न यह है कि मध्यप्रदेश मंत्री (वेतन तथा भत्ता) संशोधन विधेयक, 2017 पर विचार किया जाए.

प्रस्ताव स्वीकृत हुआ.

अध्यक्ष महोदय - अब विधेयक के खण्डों पर विचार होगा.

प्रश्न यह है कि खण्ड 2 से 10 इस विधेयक के अंग बने.

खण्ड 2 से 10 इस विधेयक के अंग बने.

प्रश्न यह है कि खण्ड 1 इस विधेयक का अंग बने.

खण्ड 1 इस विधेयक का अंग बना.

प्रश्न यह है कि पूर्ण नाम तथा अधिनियमन सूत्र विधेयक का अंग बने.

पूर्ण नाम तथा अधिनियमन सूत्र विधेयक का अंग बने.

श्री लाल सिंह आर्य - माननीय अध्यक्ष महोदय, मैं प्रस्ताव करता हूँ कि मध्यप्रदेश मंत्री (वेतन तथा भत्ता) संशोधन विधेयक, 2017 पारित किया जाए.

अध्यक्ष महोदय - प्रस्ताव प्रस्तुत हुआ कि मध्यप्रदेश मंत्री (वेतन तथा भत्ता) संशोधन विधेयक, 2017 पारित किया जाए.

प्रश्न यह है कि मध्यप्रदेश मंत्री (वेतन तथा भत्ता) संशोधन विधेयक, 2017 पारित किया जाए.

प्रस्ताव स्वीकृत हुआ

विधेयक पारित हुआ.

श्री बाला बच्चन - (XXX) यह घोर आपत्तिजनक है.

श्री विश्वास सारंग - आपका कोई नियंत्रण नहीं है, कोई अनुशासन नहीं है, संसदीय परम्पराओं का पालन नहीं कर रहे हो. ...(व्यवधान)

श्री बाला बच्चन - (XXX)

.....(व्यवधान).....

(इंडियन नेशनल कांग्रेस के सदस्यगण गर्भगृह में नारे लगाते रहे.)

(5) मध्यप्रदेश राज्य वित्त आयोग (संशोधन) विधेयक, 2017

(क्रमांक 19 सन् 2017)

वित्त मंत्री (श्री जयंत मलैया) - माननीय अध्यक्ष महोदय, मैं प्रस्ताव करता हूँ कि मध्यप्रदेश राज्य वित्त आयोग (संशोधन) विधेयक, 2017 पर विचार किया जाए.

अध्यक्ष महोदय - प्रस्ताव प्रस्तुत हुआ कि मध्यप्रदेश राज्य वित्त आयोग (संशोधन) विधेयक, 2017 पर विचार किया जाए.

प्रश्न यह है कि मध्यप्रदेश राज्य वित्त आयोग (संशोधन) विधेयक, 2017 पर विचार किया जाए.

प्रस्ताव स्वीकृत हुआ.

……

(XXX) : आदेशानुसार रिकार्ड से निकाला गया.

अध्यक्ष महोदय - अब विधेयक के खण्डों पर विचार होगा.

प्रश्न यह है कि खण्ड 2 तथा 3 इस विधेयक का अंग बने.

खण्ड 2 तथा 3 इस विधेयक का अंग बने.

प्रश्न यह है कि खण्ड 1 इस विधेयक का अंग बने.

खण्ड 1 इस विधेयक का अंग बना.

प्रश्न यह है कि पूर्ण नाम तथा अधिनियमन सूत्र विधेयक का अंग बने.

पूर्ण नाम तथा अधिनियमन सूत्र विधेयक का अंग बने.

(इंडियन नेशनल कांग्रेस के सदस्यगण गर्भगृह में नारे लगाते रहे.)

.....(व्यवधान).....

श्री जयंत मलैया - अध्यक्ष महोदय, मैं प्रस्ताव करता हूं कि मध्यप्रदेश राज्य वित्त आयोग(संशोधन) विधेयक 2017 पारित किया जाए.

अध्यक्ष महोदय - प्रस्ताव प्रस्तुत हुआ कि मध्यप्रदेश राज्य वित्त आयोग(संशोधन) विधेयक 2017 पारित किया जाए.

प्रश्न यह है कि मध्यप्रदेश राज्य वित्त आयोग(संशोधन) विधेयक 2017 पारित किया जाए.

प्रस्ताव स्वीकृत हुआ.

विधेयक पारित हुआ.

(....व्यवधान...)

(6) <u>भारतीय स्टाम्प (मध्यप्रदेश संशोधन) विधेयक, 2017(क्रमांक 21 सन 2017)</u>

श्री जयंत मलैया - अध्यक्ष महोदय, मैं प्रस्ताव करता हूं कि भारतीय स्टाम्प _(मध्यप्रदेश संशोधन) विधेयक, 2017 पर विचार किया जाए.

अध्यक्ष महोदय - प्रस्ताव प्रस्तुत हुआ कि भारतीय स्टाम्प (मध्यप्रदेश संशोधन) विधेयक, 2017 पर विचार किया जाए.

प्रश्न यह है कि भारतीय स्टाम्प (मध्यप्रदेश संशोधन) विधेयक, 2017 पर विचार किया जाए.

प्रस्ताव स्वीकृत हुआ.

अध्यक्ष महोदय - अब विधेयक के खंडों पर विचार होगा.

प्रश्न यह है कि खण्ड 2 तथा 3 इस विधेयक का अंग बने.

खण्ड 2 तथा 3 इस विधेयक का अंग बने.

प्रश्न यह है कि खण्ड 1 इस विधेयक का अंग बने.

खण्ड 1 इस विधेयक का अंग बना.

प्रश्न यह है कि पूर्ण नाम तथा अधिनियमन सूत्र विधेयक का अंग बने.

पूर्ण नाम तथा अधिनियमन सूत्र विधेयक का अंग बने.

....व्यवधान...

श्री जयंत मलैया - अध्यक्ष महोदय, मैं प्रस्ताव करता हूं कि भारतीय स्टाम्प (मध्यप्रदेश संशोधन) विधेयक, 2017 पारित किया जाए.

अध्यक्ष महोदय - प्रस्ताव प्रस्तुत हुआ कि भारतीय स्टाम्प(मध्यप्रदेश संशोधन) विधेयक, 2017 पारित किया जाए.

प्रश्न यह है कि भारतीय स्टाम्प (मध्यप्रदेश संशोधन) विधेयक, 2017 पारित किया जाए.

प्रस्ताव स्वीकृत हुआ.

विधेयक पारित हुआ.

श्री बाला बच्चन - अध्यक्ष महोदय, सरदार सरोवर योजना के डूब प्रभावितों लोगों की चर्चा करने में सरकार कितनी डरती और घबराती है, यह जनता इस सरकार को कभी माफ नहीं करेगी.

अध्यक्ष महोदय - कृपया आप अपने स्थान पर बैठे.

(7) <u>न्यायालय फीस (मध्यप्रदेश संशोधन) विधेयक, 2017 (क्रमांक 23 सन् 2017)</u>

विधि और विधायी कार्य मंत्री, (श्री रामपाल सिंह) - माननीय अध्यक्ष महोदय, मैं प्रस्ताव करता हूं कि न्यायालय फीस (मध्यप्रदेश संशोधन) विधेयक, 2017 पर विचार किया जाए.

अध्यक्ष महोदय - प्रस्ताव प्रस्तुत हुआ कि न्यायालय फीस (मध्यप्रदेश संशोधन) विधेयक, 2017 पर विचार किया जाए.

प्रश्न यह है कि न्यायालय फीस (मध्यप्रदेश संशोधन) विधेयक, 2017 पर विचार किया जाए.

प्रस्ताव स्वीकृत हुआ.

अध्यक्ष महोदय - अब विधेयक के खण्डों पर विचार होगा. खण्ड 5, इस खण्ड में एक संशोधन है.

विधि और विधायी कार्य मंत्री, (श्री रामपाल सिंह) - अध्यक्ष महोदय, मैं प्रस्ताव करता हूं कि खण्ड 5 में इस प्रकार संशोधन किया जाए - खण्ड 5 के स्थान पर निम्नलिखित खण्ड स्थापित किया जाए, अर्थात्-

" 5. मूल अधिनियम की धारा 15 में, शब्द "आवेदक न्यायालय से एक प्रमाण पत्र पाने का हकदार होगा, जो उसे आवेदन पर संदत्त फीस में से उतनी फीस कलक्टर से वापस पाने के लिए प्राधिकृत करेगा, जितनी उस फीस से अधिक है, जो न्यायालय में दिए गए किसी अन्य आवेदन पर इस अधिनियम के द्वितीय अनुसूची के संख्यांक 1 के खण्ड (ख) या खण्ड (घ) के अधीन संदेय होती", के स्थान पर, शब्द "आवेदक न्यायालय से एक प्रमाण पत्र पाने का हकदार होगा, जो उसे आवेदन पर संदत्त फीस में से उतनी फीस कलेक्टर से या ऐसी रीति में जैसी कि विहित की जाए, इलेक्ट्रानिक अंतरण द्वारा, वापस पाने के लिए प्राधिकृत करेगा, जितनी उस फीस से अधिक है जो ऐसे न्यायालय में दिए गए किसी अन्य आवेदन पर इस अधिनियम के द्वितीय अनुसूची के संख्यांक 1 के खण्ड (ख) या खण्ड (ड़) या खण्ड (च) के अधीन संदेय होती" स्थापित किया जाएं." (...व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय - प्रस्ताव प्रस्तुत हुआ.

प्रश्न यह है कि खण्ड 5 में इस प्रकार संशोधन किया जाए -

खण्ड 5 के स्थान पर निम्नलिखित खण्ड स्थापित किया जाए, अर्थात्-

"5. मूल अधिनियम की धारा 15 में, शब्द "आवेदक न्यायालय से एक प्रमाणपत्र पाने का हकदार होगा, जो उसे आवेदन पर संदत्त फीस में से उतनी फीस कलक्टर से वापस पाने के लिए प्राधिकृत करेगा, जितनी उस फीस से अधिक है.

..(व्यवधान)..

अध्यक्ष महोदय(..जारी..)--जो न्यायालय में दिये गये किसी अन्य आवेदन पर इस अधिनियम की द्वितीय अनुसूची के संख्यांक 1 के खण्ड (ख) या खण्ड (घ) के अधीन संदेय होती" के स्थान पर, शब्द "आवेदक न्यायालय से एक प्रमाण-पत्र पाने का हकदार होगा, जो उसे आवेदन पर संदत्त फीस में से उतनी फीस कलेक्टर से या ऐसी रीति में जैसी कि विहित की जाए, इलेक्ट्रॉनिक अंतरण द्वारा, वापस पाने के लिये प्राधिकृत करेगा, जितनी उस फीस से अधिक है जो ऐसे न्यायालय में दिए गये किसी अन्य आवेदन पर इस अधिनियम की द्वितीय अनुसूची के संख्यांक 1 के खण्ड (ख) या खण्ड (ड.)या खण्ड (च) के अधीन संदेय होती " स्थापित किये जाएं. ".

संशोधन स्वीकृत हुआ

अध्यक्ष महोदय--प्रश्न यह है कि यथासंशोधित खण्ड 5 इस विधेयक का अंग बने.

यथासंशोधित खण्ड 5 विधेयक का अंग बना

प्रश्न यह है कि खण्ड 2,3,4,6,7,8 एवं 9 इस विधेयक का अंग बने

खण्ड 2,3,4,6,7,8 एवं 9 इस विधेयक का अंग बने

प्रश्न यह है कि खण्ड 1 इस विधेयक का अंग बने.

खण्ड 1 इस विधेयक का अंग बना.

प्रश्न यह है कि पूर्ण नाम तथा अधिनियमन सूत्र विधेयक का अंग बने

पूर्ण नाम तथा अधिनियमन सूत्र विधेयक का अंग बने

विधि और विधायी कार्य मंत्री (श्री रामपाल सिंह)--अध्यक्ष महोदय, मैं, प्रस्ताव करता हूं कि न्यायालय फीस (मध्यप्रदेश संशोधन) विधेयक, 2017 पारित किया जाय.

अध्यक्ष महोदय--प्रस्ताव प्रस्तुत हुआ कि न्यायालय फीस (मध्यप्रदेश संशोधन) विधेयक, 2017 पारित किया जाय.

प्रश्न यह है कि न्यायालय फीस (मध्यप्रदेश संशोधन) विधेयक, 2017 पारित किया जाय.

प्रस्ताव स्वीकृत हुआ

विधेयक पारित हुआ.

श्री बाला बच्चन--अध्यक्ष महोदय, सरकार सरदार सरोवर बांध के विस्थापितों की समस्या पर चर्चा से घबराती है, सदन में चर्चा नहीं कराना चाहती.

..(व्यवधान)..

नेती प्रतिपक्ष(श्री अजय सिंह)--अध्यक्ष महोदय, सरकार सदन में चर्चा नहीं कराना चाहती है. ..(व्यवधान)..

12.32 बजे **सत्र का समापन**

सदन की बैठक अनिश्चितकाल के लिये स्थगित की जाना.

राजस्व मंत्री (श्री उमाशंकर गुप्ता)--माननीय अध्यक्ष महोदय, वर्तमान मानसून सत्र के लिये नियत मुख्य शासकीय और वित्तीय कार्य पूर्ण हो चुके हैं. विपक्ष का गैर जिम्मेदाराना तरीका सदन को बाधित कर रहा है. विपक्ष की रूचि सदन चलाने में नहीं है.जिन मुद्दों पर इस सदन में घंटों चर्चा हो गई है उसको ही दोहरा कर सदन में बाधा पहुंचा रहे हैं.

श्री अजय सिंह--हमारी रूचि सदन चलाने में है.

श्री उमाशंकर गुप्ता-- माननीय अध्यक्ष महोदय, मध्यप्रदेश विधान सभा की प्रक्रिया तथा कार्य संचालन नियमावली के नियम 12-ख के तहत मैं प्रस्ताव करता हूं कि सदन की कार्यवाही अनिश्चितकाल के लिये स्थगित की जाए.

अध्यक्ष महोदय- -प्रस्ताव प्रस्तुत हुआ.

प्रश्न यह है कि सदन की कार्यवाही अनिश्चितकाल के लिये स्थगित की जाय.

प्रस्ताव स्वीकृत हुआ.

राष्ट्रगान "जन-गण-मन" का समूहगान

अध्यक्ष महोदय-- अब "जन-गण-मन" राष्ट्रगान होगा.

(सदन में राष्ट्रगान "जन-गण-मन" का सामूहिक गायन किया गया.)

12.34 बजे **सदन की कार्यवाही का अनिश्चितकाल के लिये स्थगन.**

अध्यक्ष महोदय--सदन की कार्यवाही अनिश्चितकाल के लिये स्थगित.

अपराह्न 12.34 बजे विधानसभा की कार्यवाही अनिश्चितकाल के लिये स्थगित की गई.

भोपालः **अवधेश प्रताप सिंह**

दिनांक: 26 जुलाई, 2017 प्रमुख सचिव

मध्यप्रदेश विधान सभा